रोटी बैंक वाराणसी

कोई भी भूखा, सोए ना अपना।

FOOD DRIVE FOR POOR PATIENTS AND THEIR CAREGIVERS AND NEEDY PEOPLES.

850 million hungry people in the world.

Every 10 seconds, a child dies from hunger.

One in every eight people sleeps hungry each night.

One-third of the food produced around the world is never consumed.

"There are people in the world so hungry that God cannot appear to them except in the form of bread."

- MAHATMA GANDHI

कोरोना काल में **रोटी बैंक वाराणसी** की टीम ने लाखो जरुरत मंद भूखो को भोजन कराया , लोगो की मदद की हमारे इस कार्य के लिए **माननीय प्रधानमंत्री मोदी** जी ने प्रसस्ति पत्र भेजकर सम्मानित किया।

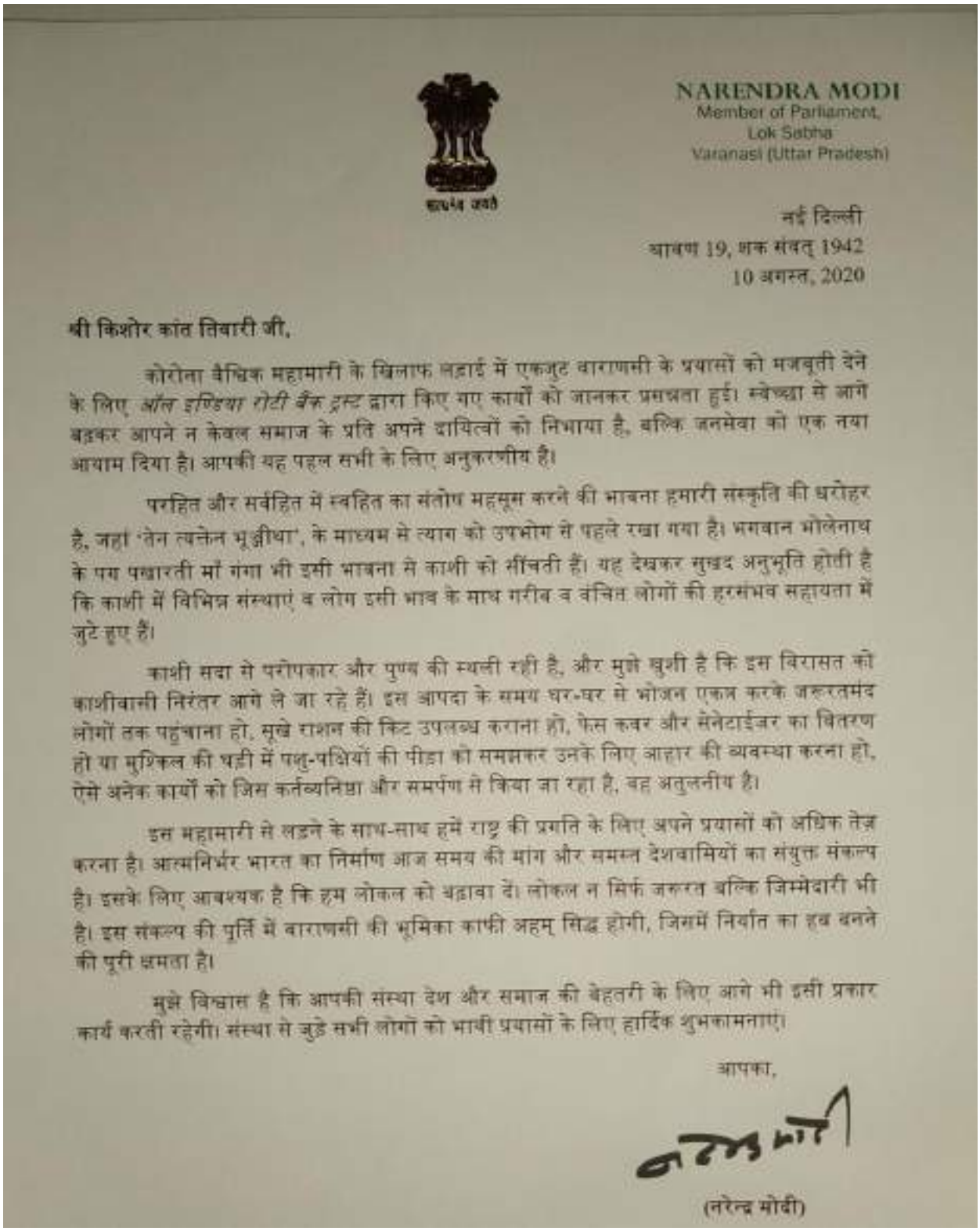

NARENDRA MODI
Member of Parliament,
Lok Sabha
Varanasi (Uttar Pradesh)

सत्यमेव जयते

नई दिल्ली
श्रावण 19, शक संवत् 1942
10 अगस्त, 2020

श्री किशोर कांत तिवारी जी,

कोरोना वैश्विक महामारी के खिलाफ लड़ाई में एकजुट वाराणसी के प्रयासों को मजबूती देने के लिए *ऑल इण्डिया रोटी बैंक ट्रस्ट* द्वारा किए गए कार्यों को जानकर प्रसन्नता हुई। स्वेच्छा से आगे बढ़कर आपने न केवल समाज के प्रति अपने दायित्वों को निभाया है, बल्कि जनसेवा को एक नया आयाम दिया है। आपकी यह पहल सभी के लिए अनुकरणीय है।

परहित और सर्वहित में स्वहित का संतोष महसूस करने की भावना हमारी संस्कृति की धरोहर है, जहां 'तेन त्यक्तेन भूञ्जीथा', के माध्यम से त्याग को उपभोग से पहले रखा गया है। भगवान भोलेनाथ के पग पखारती माँ गंगा भी इसी भावना से काशी को सींचती हैं। यह देखकर सुखद अनुभूति होती है कि काशी में विभिन्न संस्थाएं व लोग इसी भाव के साथ गरीब व वंचित लोगों की हरसंभव सहायता में जुटे हुए हैं।

काशी सदा से परोपकार और पुण्य की स्थली रही है, और मुझे खुशी है कि इस विरासत को काशीवासी निरंतर आगे ले जा रहे हैं। इस आपदा के समय घर-घर से भोजन एकत्र करके जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाना हो, सूखे राशन की किट उपलब्ध कराना हो, फेस कवर और सेनेटाईजर का वितरण हो या मुश्किल की घड़ी में पशु-पक्षियों की पीड़ा को समझकर उनके लिए आहार की व्यवस्था करना हो, ऐसे अनेक कार्यों को जिस कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण से किया जा रहा है, वह अतुलनीय है।

इस महामारी से लड़ने के साथ-साथ हमें राष्ट्र की प्रगति के लिए अपने प्रयासों को अधिक तेज़ करना है। आत्मनिर्भर भारत का निर्माण आज समय की मांग और समस्त देशवासियों का संयुक्त संकल्प है। इसके लिए आवश्यक है कि हम लोकल को बढ़ावा दें। लोकल न सिर्फ जरूरत बल्कि जिम्मेदारी भी है। इस संकल्प की पूर्ति में वाराणसी की भूमिका काफी अहम् सिद्ध होगी, जिसमें निर्यात का हब बनने की पूरी क्षमता है।

मुझे विश्वास है कि आपकी संस्था देश और समाज की बेहतरी के लिए आगे भी इसी प्रकार कार्य करती रहेगी। संस्था से जुड़े सभी लोगों को भावी प्रयासों के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

आपका,

(नरेन्द्र मोदी)

About Roti Bank Varanasi

By Raushan Kumar Patel

रोटी बैंक वाराणसी की मुहिम है कोई भी भूखा सोए ना अपना रोटी बैंक की शुरुआत मई **2017** को वाराणसी शहर से स्वर्गीय किशोर कांत तिवारी व श्री रोशन कुमार पटेल ने की थी. एक दिन गंगा आरती देखकर वापस घर की तरफ आ रहे थे तभी रास्ते में देखा की एक बुजुर्ग मानसिक विकृति व्यक्ति एक टोकरी से कुछ भोजन निकाल कर खा रहा था. वह भोजन वहीं खड़े ठेले से लोग लेकर खा रहे थे और उस बर्तन को टोकरी में डाल दे रहे थे । उस बर्तन में जो कुछ थोड़ा बहुत भोजन बचा रहता था उसको निकालकर वह व्यक्ति खा रहा था, और उसको कोई रोकने वाला भी वहां नहीं था । उस समय उसको गंदा झूठा खाना खाने से रोक कर उसको भरपेट भोजन कराया और वापस चले आए । उसको देख कर हृदय मलिन हो गया की ना जाने शहर में कितने लोग होंगें जो भूखे पेट इसी तरह भोजन की आस में रहते होंगें ऐसे दिव्यांग, मानसिक विकृत (पागल), भिखारी, मजदूर, बुजुर्ग रिक्शा चालक व अस्पतालों में आने वाले मरीज के साथी जिनकी जिनकी आर्थिक स्थिति सही नहीं है और सड़क किनारे सोने वाले लोग भूखे सोने पर मजबूर होते होंगें तभी प्रण लिया की प्रयास करेंगे की ज्यादा से ज्यादा लोगो की भूख मिटाई जाए।

रोटी बैंक का है यह सपना कोई भी भूखा सोए ना अपना **2017** से लगातार प्रतिदिन प्रभु जन और जरूरत मंद की भूख मिटा रहे हैं समाज में रहने वाले लोगों और अपने मित्रों की मदद से ।

रोटी बैंक वाराणसी बनारस में प्रमुख स्थानों जहां ऐसे जरूरतमंद भूखे लोग रहते हैं व सड़क के किनारे रहने वालो को ढूंढ ढूंढ कर भोजन खिलाना शुरू किया साथ ही साथ उनको जरूरत के सामान जैसे ठंडी में कंबल जरूरत पड़ने पर मेडिकल की सुविधा किसी मरीज जिसके आर्थिक स्थिति बेहद खराब है इसके दवा के लिए और जांच के लिए आर्थिक मदद सहयोग करना तथा लोगों को रोजगार भी मुहैया कराना शुरू किया ।

Bakground :-

1-बनारस एक ऐसा शहर है जहां ज्यादातर पूर्वांचल ,बिहार , मध्य प्रदेश व दूसरे अन्य राज्यों और शहरों से लोग मजदूरी करने , व हजारों की संख्या में अपने मरीज का इलाज कराने के लिए आते हैं यहां पर बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, टाटा मेमोरियल सेंटर कैंसर इंस्टीट्यूट व होमी भाभा कैंसर इंस्टीट्यूट जैसे बड़े सरकारी अस्पताल होने की वजह से निम्न और मध्यम वर्ग के लोग इलाज कराने के लिए आते हैं। बीएचयू जैसे संस्थान जहाँ हजार लोग अपने मरीज को लेकर आते हैं इलाज कराने लेकिन उनके रहने और खाने के लिए कोई भी पर्याप्त व्यवस्था ना होने की वजह से और आर्थिक स्थिति कमजोर होने की वजह से उनको शुद्ध भोजन व रहने के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है। ये लोग एक वक्त भरपेट भोजन भी नही कर पाते मदन मोहन मालवीय कैंसर सेंटर व होमी भाभा कैंसर सेंटर अस्पताल में कैंसर से पीड़ित मरीजों और उनके साथी महीनों रहकर इलाज कराते हैं जिन की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर होती है ना खाने के लिए ढंग से उनके साथियों को मिलता है ना रहने के लिए सड़क किनारे अस्पताल के दीवाल से सटे स्थान व विश्राम स्थल में रहने पर मजबूर होते हैं। ऐसे लोगों को रोटी बैंक वाराणसी निशुल्क एक वक्त भरपेट भोजन मुहैया कराती है।

2- बनारस शहर में रिक्शा चालक, मजदूर, दिव्यांग, भिक्षुक, कूड़ा बुनने वाले ,पागल मानसिक विकृति , स्लम बस्तियों में रहने व सड़क किनारे रहने वाले बहुत से ऐसे लोग हैं जिनको एक वक्त भरपेट पोषण युक्त भोजन नहीं मिल पाता है जिनको रोटी बैंक वाराणसी एक वक्त भरपेट निशुल्क भोजन मुहैया कराती ह।

Project :-

बहुत से सैकड़ों गरीब मरीज और उनके साथी ऐसे हैं जो अस्पतालों में आते हैं इलाज कराने और बाहर ही **1- 2** दिन **4** दिन रहने पर मजबूर होते हैं डॉक्टर को ना दिखा पाने की वजह से क्योंकि भीड़ बहुत ज्यादा होती है तो तारीख मिलने में दो तीन दिन लग जाते हैं और गरीब होने व आर्थिक स्थिति कमजोर होने की वजह से यह रोज अपने घर से आ जा भी नहीं सकते हैं आने जाने में खर्च लगाता है और सरकारी ही मात्र एक विकल्प है **।**

देखभाल करने वालों द्वारा सामना किया जाने वाला निरंतर संघर्ष उन्हें कमजोर और असहाय बनाता है; लेकिन उनकी आंसू भरी आंखें आशान्वित रहें। उनमें से अधिकांश को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता है और एक समय का भोजन जुटाना मुश्किल हो जाता है।

हालांकि इलाज और कुछ जीवनरक्षक दवाएं मुफ्त में मुहैया कराई जाती हैं, फिर भी भूख एक बड़ी समस्या है चुनौती। इन सभी मरीजों के लिए मुफ्त खाना मिलना बड़ी राहत की बात है।

हम सभी एक समाज से ताल्लुक रखते हैं और एक समुदाय आधारित संगठन होने के नाते यह सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है ताकि आबादी के एक बड़े हिस्से की जरूरतें पूरी हो सकें। हम लोगों के अलावा उनके में खड़े होने की कोशिश करते हैं लड़ाई उन्हें अकेले ही लड़नी है। गरीब रोगियों के परिवारों को पौष्टिक भोजन, रोटी बैंक वाराणसी का वाहन नि:शुल्क भोजन परोसता है **।**

वर्तमान में हमारी संस्था सरकार अस्पताल के बाहर रोगियों और देखभाल करने वालों को एक वक्त प्रतिदन भोजन परोसता है **।** अस्पताल **- BHU, TATA CANCER HOSPITAL, HOMI BHABHA CANCER HOSPITAL Etc.**लोगों और कॉर्पोरेट के समर्थन के साथ हम आबादी के एक बड़े हिस्से के लिए खाद्य सुरक्षा और पोषण को प्राथमिकता देना चाहते हैं। हमारा फूड ड्राइव व्यक्तियों, संगठनों, संस्थानों को आगे आने और उन्हें खिलाने के लिए एक मंच प्रदान करता है जरूरतमंद। हमारे समुदाय में भुखमरी के खिलाफ लड़ाई के समर्थन में यह एक बहुत छोटा कदम है। हम सभी की आवश्यकता है आवश्यकता को समझने के लिए एक दयालु हृदय। इस कारण के प्रति आपका योगदान न केवल आपको देगा अपार संतुष्टि लेकिन आपको हमारी संस्कृति से भी जोड़ेगी जहाँ अन्न, जल आदि का दान करना है एक बहुत ही नेक इशारा कहा जाता है.

शहर में बहुत से ऐसे बुजुर्ग हैं जो सड़क किनारे पड़े रहते हैं जो, दिव्यांग हैं, जो रिक्शा चलाते हैं, जो मजदूर हैं उनके हड्डियों में अब जान नहीं रह गई फिर भी अपना गुजर-बसर करने के लिए प्रयासरत हैं उन जैसे लोगों को एक इंसानियत एक मानवता के नाते हमारा और आपका कर्तव्य बनता है भूख मिटाना पेट भरना और ऐसे सैकड़ों लोगों को प्रतिदिन भोजन पहुंचाया जाता है।

If you want to eliminate hunger. everybody has to be involved."

Covered Area :-

- **BHU HOSPITAL**
- **TATA CANCER CENTER**
- **HOMI BHABHA CANCER CENTER**
- **LANKA – RIKSHA PULLAR**
- **GURUDHAM-LABOURS**
- **CANTS STATIONS**

हमारे पास किसी प्रकार का औपचारिक या अनौपचारिक तरीके से इन अस्पतालों से कोई भी टाई अप् नहीं है हम बाहर अस्पताल में या अस्पताल के परिसर के बाहर इन जरूरतमंदों को भोजन कराते हैं तथा सड़क पर रहने वाले मजदूर लेबर व अन्य जरूरतमंद को समाज और जनता के सहयोग से भोजन कराते हैं। रोटी बैंक वाराणसी एफएसएसएआई में रजिस्टर्ड है।

Number of Beneficiaries Per Day :-

हम भोजन ड्राइव के माध्यम से प्रतिदिन 1200 से 1500 लोगों को दिन में एक बार भोजन पहुंचाते हैं और हमारा लक्ष्य है कि हम और ज्यादा से ज्यादा लोगों तक भोजन पहुंचाएं और दिन में दो बार लोगों की भूख मिटाई जाए..

Preparation of Food :-

हमारे सामुदायिक किचन में साफ-सुथरे तरीके से सफाई का विशेष ध्यान रख कर भोजन पकाने से पहले रसोईयाँ प्रॉपर तरीके से हैंड वास करके, सर कवर करके, भोजन बनाते हैं. हमारे यहाँ भोजन में लहसुन, प्याज बिना डाले हुए भोजन बनाया जाता है , जो इन जरूरतमंदों के पास पहुंचाया जाता है । और हमारी टीम यह कंफर्म करती है भोजन पकाने से पहले की रॉ मैटेरियल्स ,सब्जी ,बर्तन पूर्ण रूप से साफ-सुथरे है कि नहीं. इसके बाद ही भोजन बनाया जाता है.

"If you can't feed a hundred people, then feed just one."

Transportation of food :-

रोटी बैंक वाराणसी के पास खुद की **3** गाड़ियां है जो पके हुए भोजन को सही तरीके से लोगों के पास बड़े-बड़े बर्तनों में रखकर लोगों तक पहुंचाते हैं. लोगों को भोजन पत्तल में साफ़ बर्तन में या पैक करके इन तक पहुंचाया जाता है और विशेष ध्यान दिया जाता है की पका हुआ भोजन सही तरीके से ढाका है की नही हर स्थान पर जहाँ जहाँ लोगों को भोजन दिया जाता है वह चेक किया जाता है **।** **1200 - 1500** लोगों को प्रतिदिन गरमा गर्म भोजन दिया जाता है जो प्रतिदिन इंतजार करते है **।**

हम यह प्रतिदिन सुनिश्चित करते हैं कि जो भी भोजन बनकर तैयार हो गया है वह यह **1-2** घंटे के अंदर अंदर लोगों को दे देना है हम भोजन के ताजगी और हाइजेनिक स्टैंडर्ड का पूरा ध्यान रखते हैं **।** रा मटेरियल्स और बर्तन धोने ,बनाने, पहुंचाने व सर्व करने और खाने तक का ध्यान रखते हैं **।**

बहुत से ऐसे हमारे सदस्य सेवक और सहयोगी हैं जो अपने जन्म दिवस ,शादी के सालगिरह और अन्य मांगलिक कार्यक्रम में हमारे साथ भोजन बनाकर और इन जरूरतमंदों तक पहुंचवाकर मनाते हैं और इंसानियत मानवता का मिसाल पेश करते हैं ।

Project cost :-

दिन में एक बार जो भोजन बनता है उसका खर्च **13000** से **15000** तक आता है जिसमें **1200** से **1500** लोगो को भोजन कराया जाता है एक बार इसमें फूड कॉस्ट ,रॉ मैटेरियल्स , कुकिंग ट्रांसपोर्टेशन एंड बाकी अन्य खर्च सम्मिलित है ।

COOK & LABOURS	**1400Rs**	**Per day**
PETROL	**800Rs – 850Rs**	**Per day**
RAW MATERIALS & GAS	**7500Rs – 8500Rs**	**Per day**
PATTAL AND DONA	**700Rs – 800Rs**	**Per day**
VEGETABLES	**2500Rs**	**Per day**

“There are genuinely sufficient resources in the world to ensure that no one, nowhere, at no time, should go hungry.”

Roti Making Machine: -

रोटी मशीन से रोटियां बनायीं जाती है वितरण करने के लिए। रोटी मशीन से एक घंटे में 1000 रोटियाँ बनती हैं।

Important Details

Registration Number: 217/ 2021

PAN No.: AAETR5251L

CSR: CSR00041810

NITI AYOG - UP/2022/0302770

12A of Income Tax: AAETR5251LE20221

80(G) of Income Tax: AAETR5251LF20221

Bank Details:

HDFC Bank Branch: Rathyatra Crossing, Varanasi, 221010, Uttar Pradesh

Account name: ROTI BANK VARANASI

Type: Savings A/c No. 50200068069071

IFSC Code HDFC0000220

Head Office: B 31/82 B Bhogabir, Lanka, Varanasi, 221005

Phone No. :- 8799572994 , 9453066961

Facebook: fb.com/rotibankvns

Twitter: @rotibankvns

Instagram: @rotibankvns

Contact Person: Mr. Raushan Kr. Patel, Mobile: 8799572994

Mr. Anup Pandey, Mobile: 8687809056